यमन में वास्तविक शांति पाने की लंबी राह

चर्चा में क्यों ?

- यमन में सऊदी के नेतृत्व वाले युद्ध को 8 साल पूरे हुए, सऊदी अरब का एक राजनयिक प्रतिनिधिमंडल वार्ता हेतु सना हवाई अड्डे पर पहुंचा।

प्रमुख बिंदु

- साल भर चलने वाले युद्धविराम को आगे बढ़ाते हुए, दोनों पक्ष छह महीने के संघर्ष विराम पर सहमत हुए।
- सना हवाई अड्डे और होदेइदाह बंदरगाह की नाकाबंदी को कम किया जाए और राज्य को देश के तेल राजस्व से वेतन का भुगतान किया जाए।
- कैदियों की तत्काल अदला-बदली पर भी सहमति बनी।

यमन में मौत और विनाश

- सऊदी अरब ने, कुछ अरब सेनाओं के गठबंधन का नेतृत्व करते हुए 2015 से सैन्य अभियान शुरू किया था, ताकि हाशिए पर पड़े **ज़ैदी समुदाय** का प्रतिनिधित्व करने वाले और ईरान के साथ गठबंधन करने वाले **शिया मिलिशिया हाउथिस** को यमन पर नियंत्रण करने से रोका जा सके।
- हालाँकि, युद्ध में गतिरोध उत्पन्न हो गया है, हाउथिस ने राजधानी और मुख्य बंदरगाह होदेइदाह को नियंत्रित कर लिया है।

- गठबंधन समुद्र , आकाश और दक्षिण के बडे हिस्से को नियंत्रित करता है, इस प्रकार यह आवश्यक भोजन, चिकित्सा और ऊर्जा आपूर्ति को आबादी तक पहुंचने से रोकता है। 85,000 बच्चों सहित लगभग 4,00,000 लोगों की मौत और कई मिलियन विस्थापितों के साथ, यमन एक गंभीर मानवीय संकट से जूझ रहा है, इसके 80% लोगों (20 मिलियन से अधिक) को सहायता की आवश्यकता है।
- 8 साल के संघर्ष में लगभग 60 बिलियन डॉलर के अनुमानित व्यय को देखते हुए, सऊदी अरब साख बचाने के लिए बाहर निकलने के लिए उत्सुक रहा है।
- चीन की मध्यस्थता में हुए सऊदी-ईरान समझौते ने नवीन अवसर प्रदान किया। ऐसी रिपोर्ट है कि ईरान हाउथिस को सैन्य आपूर्ति में कटौती करने और शांति प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने पर सहमत हो गया है, इस प्रकार अप्रैल में सऊदी- हाउथिस गठबंधन के लिए दरवाजे खुल गए हैं।

शांति प्रक्रिया के लिए चुनौतियाँ

- शांति प्रक्रिया के रास्ते में आने वाली चुनौतियों में हाउथिस का आग्रह शामिल है कि राज्य पिछले कुछ वर्षों से यमन के तेल राजस्व से सशस्त्र बल कर्मियों सहित सभी सरकारी अधिकारियों के वेतन का भुगतान करता है।
- सऊदी अपने पूर्व शत्रुओं को धन मुहैया कराने को लेकर शायद ही उत्साहित हो और हाउथिस युद्ध क्षति के लिए सऊदी से "मुआवजा" भी मांग रहे हैं। हालाँकि सऊदी पुनर्निर्माण में योगदान देने पर विचार करने को तैयार है, लेकिन "मुआवजे" के विचार से कतराता है।
- हाउथिस, आठ सदस्यीय सऊदी समर्थित राष्ट्रपति नेतृत्व परिषद (PLC) के साथ जुड़ने के लिए भी अनिच्छुक है, जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यमनी सरकार का प्रमुख है।
- वे सऊदी के साथ सीधी बातचीत पर जोर देते हैं, जबकि सऊदी यमनी गुटों के बीच "मध्यस्थ" बनना चाहता है।
- हाउथिस ने युद्ध जीत लिया है और सऊदी , देश से बाहर निकलने के लिए बेताब है।

यमन गृहयुद्ध किसके कारण हुआ?

गृह युद्ध सितंबर, 2014 में शुरू हुआ जब हाउथिस बलों ने राजधानी सना पर कब्ज़ा कर लिया, जिसके बाद हाउथिस ने सरकार पर तेजी से कब्ज़ा कर लिया।

99 प्रतिशत से अधिक आबादी मुस्लिम है (2010 अनुमान), वे अपनी मान्यताओं को या तो सुन्नी इस्लाम के शफ़ीई आदेश या ज़ैदी इस्लाम, जो शिया इस्लाम का एक अलग रूप है, से जोड़ते हैं।

वर्तमान में लगभग 74% या 25 मिलियन यमनियों को सहायता की आवश्यकता है। 5 मिलियन लोग अकाल के ख़तरे में हैं और हैजा के प्रकोप ने दस लाख से अधिक लोगों को प्रभावित किया है। बताया जाता है कि संघर्ष के सभी पक्षों ने मानवाधिकारों और अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून का उल्लंघन किया है।

- लेकिन एक और मामला है जो यमन के परिदृश्य को उलझा देता है। अदन स्थित संयुक्त अरब अमीरात (UAE) समर्थित आंदोलन दक्षिणी ट्रांजिशनल काउंसिल (STC) चाहता है कि 1967 से 1990 तक एक स्वतंत्र साम्यवादी देश, पूर्व पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ यमन (PDRY) का गठन करने वाले दक्षिणी प्रांतों को एक बार बदल दिया जाए।
- यह यमन में सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के प्रतिस्पर्धी भूराजनीतिक हितों को दर्शाता है। दक्षिण यमन, इरिट्रिया और सोमालीलैंड में बंदरगाहों के साथ-साथ अदन की खाड़ी में सोकोत्रा द्वीप और बाब अल-मंदब के मुहाने पर पेरिम द्वीप पर संयुक्त अरब अमीरात का नियंत्रण पहले से ही इसे पश्चिम में एक प्रमुख भूराजनीतिक और वाणिज्यिक स्थिति प्रदान करता है। यह इन लाभों को बनाए रखने के लिए STC के स्वतंत्रता एजेंडे का समर्थन कर रहा है।

- दूसरी ओर, सऊदी अरब एक एकीकृत यमन की मांग कर रहा है ताकि वह हदरामौत और अल-महरा के दक्षिण यमनी प्रांतों पर अपना प्रभाव जमा सके: हदरामौत, सऊदी अरब के साथ 800 किलोमीटर की सीमा साझा करता है, जबकि अल-महरा तेल प्रदान कर सकता है।
- इसलिए, सऊदी राज्य ने अपनी स्वयं की हदरामौत राष्ट्रीय परिषद को प्रायोजित किया है जो STC के स्वतंत्रता एजेंडे को खारिज करती है और एकजुट यमन में स्वायत्तता से संतुष्ट है।
- यमन छोड़ने के लिए उत्सुक सऊदी अरब, उत्तर-दक्षिण विभाजन को स्वीकार कर सकता है, लेकिन संयुक्त अरब अमीरात को बाहर करना चाहेगा और अदन के साथ दक्षिणी क्षेत्रों को नियंत्रित करना चाहेगा।

प्रदर्शन ग्रेड सूचकांक

चर्चा में क्यों ?

- वर्ष 2021-22 की केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की प्रदर्शन ग्रेड सूचकांक (PGI) रिपोर्ट में सीखने के परिणाम, समानता और बुनियादी ढांचे जैसे संकेतकों में चंडीगढ़ और पंजाब, स्कूली शिक्षा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्यों के रूप में उभरे।

प्रमुख बिंदु

- मंत्रालय ने कहा, "2021-22 में राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा प्राप्त अधिकतम और न्यूनतम स्कोर क्रमशः 659.01 और 420.64 हैं।"
- पंजाब और चंडीगढ़ को सूचकांक की छठी श्रेणी में रखा गया है। PGI, राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को 10 श्रेणियों में ग्रेड प्रदान करता है। कोई भी राज्य या केंद्रशासित प्रदेश शीर्ष 5 ग्रेड में जगह नहीं बना सका।
- चंडीगढ़ और पंजाब 'प्रचेस्टा-2' स्तर पर हैं, जिसके लिए एक राज्य को कुल 1,000 अंकों में से 641-700 के बीच स्कोर करना चाहिए।
- उनके बाद नीचे के स्तर पर छह राज्य और केंद्रशासित प्रदेश हैं।
- गुजरात, केरल, महाराष्ट्र, दिल्ली, पुडुचेरी और तमिलनाडु को 581-640 अंकों के बीच 7वें स्तर - प्रचेस्टा-3 - पर रखा गया है।
- अरुणाचल प्रदेश, मेघालय और मिजोरम को 401-460 (आकांक्षी-3) के बीच स्कोर के साथ सबसे नीचे रखा गया है।
- शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्यों-केरल, पंजाब, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान और आंध्र प्रदेश- ने 1,000 में से 901 और 950 अंक के बीच स्कोर किया था।
- सरकार ने स्कोर में गिरावट का कारण मूल्यांकन मापदंडों में बदलाव को बताया।
- 'सीखने के परिणाम और गुणवत्ता' संकेतक के लिए, मंत्रालय ने विगत वर्ष के 180 की तुलना में 240 अंक दिए हैं।
- बुनियादी ढांचे के लिए 190 अंक दिए हैं, जो पिछले साल के 150 से अधिक है।
- इक्विटी मानदंड पर जोर 230 से बढ़कर 260 अंक हो गया है।
- इन तीन मापदंडों के बढ़ते महत्व को समायोजित करने के लिए, सरकार ने शासन प्रक्रियाओं पर जोर 360 से घटाकर 130 अंक कर दिया है।
- इसके अतिरिक्त, इस वर्ष शिक्षक प्रशिक्षण का एक नया पैरामीटर (100 अंकों के भारांश के साथ) पेश किया गया है।
- नई पीजीआई संरचना में 73 संकेतक शामिल हैं, जिसमें डिजिटल पहल और शिक्षक शिक्षा सहित गुणात्मक मूल्यांकन पर अधिक ध्यान दिया गया है। पीजीआई के पिछले संस्करण में राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा प्राप्त ग्रेड/स्तर इस नए संस्करण में प्राप्त ग्रेड/स्तर से तुलनीय नहीं हैं।

क्लस्टर युद्ध सामग्री

चर्चा में क्यों ?

- दक्षिणी शहर नबातियाह, लेबनान में क्लस्टर युद्ध सामग्री पर कन्वेंशन के लिए राज्यों की पार्टियों की दूसरी बैठक के उद्घाटन पर लेबनानी सैन्य अड्डे की यात्रा के दौरान कार्यकर्त्ता और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल, क्लस्टर बम इकाईयों के बगल में खड़े दिखे।

क्लस्टर युद्ध सामग्री के बारे में

- क्लस्टर युद्ध सामग्री एक बम है जो हवा में खुलता है और एक विस्तृत क्षेत्र में छोटे "बम" छोड़ता है। पिछले संघर्षों में, क्लस्टर युद्ध सामग्री की दर बहुत अधिक थी, जिसका मतलब था कि हजारों छोटे गैर-विस्फोटित बम पीछे रह गए और दशकों बाद भी लोग मारे गए और अपंग हो गए।
- युद्ध सामग्री उन्हीं तोपखाने हथियारों द्वारा लॉन्च की जाती है जो अमेरिका और उसके सहयोगियों ने युद्ध के लिए यूक्रेन को पहले ही प्रदान कर दी है, जैसे- होवित्जर।
- संयुक्त राज्य अमेरिका ने अपनी सेना को अग्रिम मोर्चे पर तैनात रूसी सेनाओं को पीछे धकेलने में मदद करने के लिए यूक्रेन में क्लस्टर युद्ध सामग्री भेजने का निर्णय लिया है।
- इस कदम से कुछ सहयोगियों और मानवतावादी समूहों में नाराजगी होने की संभावना है, जिन्होंने लंबे समय से क्लस्टर बमों के इस्तेमाल का विरोध किया है।
- रूस पहले से ही यूक्रेन में विवादास्पद हथियार का उपयोग कर रहा है और अगर अमेरिका द्वारा प्रदान किए जाने वाले हथियारों की दर कम हो जाएगी,तो बहुत कम गैर-विस्फोटित राउंड होंगे जिसके परिणामस्वरूप अप्रत्याशित नागरिक मौतें हो सकती हैं।
- अमेरिका ने आखिरी बार 2003 में इराक में लड़ाई में अपने क्लस्टर हथियारों का इस्तेमाल किया था और उनका उपयोग जारी नहीं रखने का फैसला किया क्योंकि संघर्ष अधिक घनी नागरिक आबादी वाले शहरी वातावरण में स्थानांतरित हो गया।

क्यों प्रदान किया जाए?

- एक वर्ष से अधिक समय से अमेरिका ने पारंपरिक 155 हॉवित्जर युद्ध सामग्री के अपने भंडार में कमी की है और यूक्रेन को 2 मिलियन से अधिक राउंड भेजे हैं।
- दुनिया भर में सहयोगियों ने युक्रेन को सहायता प्रदान की है। 155 मिमी. का गोला 15 से 20 मील (24 से 32 किलोमीटर) तक हमला कर सकता है, जिससे यह दूर से दुश्मन के ठिकानों पर हमला करने की कोशिश कर रहे यूक्रेनी जमीनी सैनिकों के लिए पसंद का हथियार बन जाता है।
- एकीकृत तोपखाने के गोले की तुलना में क्लस्टर युद्ध सामग्री अधिक प्रभावी होती है क्योंकि यह व्यापक क्षेत्र को नुकसान पहुंचाती है। यह यूक्रेन के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वह मजबूत किलेबंदी वाले रूसी ठिकानों को नष्ट करने की कोशिश कर रहा है।

क्या उपयोग करना युद्ध अपराध है?

- क्लस्टर बमों का उपयोग स्वयं अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन नहीं करता है, लेकिन नागरिकों के खिलाफ उनका उपयोग करना उल्लंघन हो सकता है। तो यह आवश्यक रूप से हथियारों से संबंधित नहीं है।
- क्लस्टर बमों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने वाले एक सम्मेलन में 120 से अधिक देश शामिल हुए हैं, जो हथियारों का उपयोग, उत्पादन, हस्तांतरण या भंडारण नहीं करने पर सहमत हुए हैं।
- अमेरिका, रूस और यूक्रेन ने इस पर हस्ताक्षर नहीं किये हैं।

उपयोग

- बमों को हाल के कई संघर्षों में तैनात किया गया है, जिनमें अमेरिकी सेनाएं भी शामिल हैं।
- HRW के अनुसार, 2001 में शुरू हुए अफगानिस्तान पर आक्रमण के दौरान अमेरिका ने शुरू में क्लस्टर बमों को अपने शस्त्रागार का एक अभिन्न अंग माना था। समूह का अनुमान है कि अमेरिका के नेतृत्व वाले गठबंधन ने संघर्ष के पहले तीन वर्षों के दौरान अफगानिस्तान में 1,500 से अधिक क्लस्टर बम गिराए।
- रक्षा विभाग को 2019 तक 1% से अधिक गैर-विस्फोटित आयुध की दर वाले किसी भी क्लस्टर युद्ध सामग्री के उपयोग को रोकने का आदेश दिया गया था।
- लेकिन ट्रम्प प्रशासन ने उस नीति को वापस ले लिया, जिससे कमांडरों को ऐसे हथियारों के उपयोग को मंजूरी देने की अनुमति मिल गई।
- सीरियाई सरकारी सैनिकों ने अक्सर उस देश के गृहयुद्ध के दौरान विपक्षी समूहों के खिलाफ रूस द्वारा आपूर्ति किए गए क्लस्टर हथियारों का इस्तेमाल किया, जो अक्सर नागरिक उद्देश्यों और बुनियादी ढांचे पर हमला

करते थे तथा इज़राइल ने उनका उपयोग दक्षिण लेबनान के नागरिक क्षेत्रों में किया, जो 1982 के आक्रमण के दौरान भी शामिल थे।

- 2006 में हिज़्बुल्लाह के साथ एक महीने तक चले युद्ध के दौरान, HRW और संयुक्त राष्ट्र ने इज़राइल पर लेबनान में 4 मिलियन क्लस्टर हथियार दागने का आरोप लगाया था। इसने बिना विस्फोट वाला हथियार छोड़ दिया, जिससे आज भी लेबनानी नागरिकों को खतरा है।
- यमन में सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन की ईरान समर्थित हाउथिस विद्रोहियों के साथ युद्ध में क्लस्टर बमों के इस्तेमाल के लिए आलोचना की गई है, जिन्होंने दक्षिणी अरब देश को तबाह कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, 2017 में, सीरिया के बाद यमन क्लस्टर युद्ध सामग्री के लिए दूसरा सबसे घातक देश था।
- मूल रूप से हथियार गिरने के काफी समय बाद तक बच्चों की मृत्यु हो गयी है या अपंग हो गए हैं, जिससे वास्तविक संख्या जानना मुश्किल हो गया है।

यूक्रेन में क्या हो रहा है?

- यूक्रेनी सरकार द्वारा पर्यवेक्षकों और मानवीय समूहों में, रूसी सेना ने कई मौकों पर यूक्रेन में क्लस्टर बमों का इस्तेमाल किया है। मानवाधिकार समूहों ने कहा है कि यूक्रेन ने भी उनका इस्तेमाल किया है। युद्ध के शुरुआती दिनों के दौरान, ह्यूमन राइट्स वॉच जैसे समूहों द्वारा बार-बार रूसी क्लस्टर बमों का उल्लेख किया गया था, जिसमें वे उत्तर-पूर्वी शहर ओख्तिरका में एक प्रीस्कूल के पास गिरे थे।
- ओपन-सोर्स इंटेलिजेंस ग्रुप बेलिंगकैट के अनुसार यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर, खार्किव, जो कि उत्तर-पूर्व में है, में कई क्लस्टर हथियार मिले। एक रूसी मिसाइल और ड्रोन बैराज ने पूर्वी डोनेट्स्क क्षेत्र में बखमुत में निरंतर बमबारी सहित कई शहरी क्षेत्रों को निशाना बनाया है।

गिफ्ट निफ्टी

चर्चा में क्यों ?

- लोकप्रिय सिंगापुर एक्सचेंज (SGX) निफ्टी के नये नामकरण गिफ्ट निफ्टी ने गुजरात के गिफ्ट सिटी से कारोबार शुरू किया और एक ही सत्र में 30,000 से अधिक कारोबार कर लिया।

गिफ्ट निफ्टी के बारे में

- सिंगापुर में SGX NIFTY पर ट्रेडिंग बंद हो गई और संपूर्ण ट्रेडिंग वॉल्यूम तथा तरलता पूरी तरह से GIFT IFSC में बदल गई। इसलिए, इसे GIFT निफ्टी नाम दिया गया।

- गिफ्ट निफ्टी, भारत और सिंगापुर के पूंजी बाजारों को जोड़ने वाली पहली सीमा पार पहल है। यह एक नया उत्पाद है जो निवेशकों को निफ्टी 50 इंडेक्स पर वायदा और विकल्प अनुबंधों का व्यापार करने की अनुमति देता है, यह सिंगापुर एक्सचेंज (SGX) पर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (NSE) का बेंचमार्क इंडेक्स है।
- गिफ्ट निफ्टी का मतलब गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट) निफ्टी है क्योंकि अनुबंधों को मंजूरी और निपटान गिफ्ट सिटी , गुजरात में अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (IFSC) में किया जाता है।
- IFSC एक विशेष आर्थिक क्षेत्र है जो प्रतिभागियों को विभिन्न प्रोत्साहन और लाभ प्रदान करता है, जैसे- कम कर, आसान नियम और वैश्विक बाजारों तक पहुंच।
- यह दोनों देशों के नियामक प्राधिकरणों अर्थात् भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) एवं सिंगापुर के मौद्रिक प्राधिकरण (MAS) द्वारा समर्थित है।
- गिफ्ट निफ्टी घंटी गिफ्ट निफ्टी के पहले सत्र के अंत का प्रतीक है।
- हालांकि शुरुआत में SGX द्वारा कारोबार का बड़ा हिस्सा अपने नियंत्रण में लेने की उम्मीद है, लेकिन NSE इंटरनेशनल एक्सचेंज (NSE-IX) को धीरे-धीरे बढ़त हासिल करने की उम्मीद है।

SGX और NSE के बीच अनुबंध

- दोनों के बीच पांच साल के अनुबंध के मुताबिक, कारोबार को बड़े पैमाने पर 50:50 के आधार पर साझा किया जाएगा।
- प्रारंभ में, सिंगापुर द्वारा उत्पन्न व्यवसाय के लिए, SGX को 75% राजस्व मिलेगा, जबकि NSE को शेष 25% मिलेगा।
- अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (IFSC) द्वारा उत्पन्न किसी भी व्यवसाय के लिए (जो वर्तमान में मात्रा में बहुत कम है) NSE 75% कारोबार रखेगा। एक बार "सीमा मात्रा" छू जाने पर, दोनों संस्थाओं के लिए साझाकरण 50:50 के आधार पर होगा।
- इस सौदे के अनुसार, NSE IX किसी अन्य एक्सचेंज के साथ समान व्यवस्था में प्रवेश नहीं कर पाएगा। पांच साल की अवधि समाप्त होने के बाद इस अनुबंध को अतिरिक्त दो साल के लिए बढ़ाया जा सकता है।
- वर्तमान में, गिफ्ट निफ्टी के छत्र ब्रांड के तहत चार उत्पाद पेश किए जा रहे हैं –
  1. गिफ्ट निफ्टी 50,
  2. गिफ्ट निफ्टी बैंक,
  3. गिफ्ट निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज,
  4. गिफ्ट निफ्टी आईटी डेरिवेटिव अनुबंध।

भारत के लिए यह स्विच कितना महत्वपूर्ण है?

- यह प्रयास पहली बार प्रधानमंत्री के द्वारा जुलाई, 2022 में शुरू किया गया था। हालांकि यह 2023 में सिंगापुर में निफ्टी के पूर्ण पैमाने पर स्विच के लिए सहमत हुआ था।
- “गिफ्ट निफ्टी, गिफ्ट IFSC और विदेशी निवेशकों तक इसकी पहुंच तथा गिफ्ट सिटी में पूंजी बाजार पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।